आज का सुविचार
सत्य से बड़ा तो ईश्वर भी नहीं होता है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 88 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

जानिए क्या है अस्पृश्यता का अंत, मौलिक अधिकार- Fundamental of Right

अस्पृश्यता मानव जीवन का एक कलंक माना जाता है। आज भी लोगों के दिमाग से छुआछूत की भावना बनी हुई है। भारतीय संविधान में

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

अनुच्छेद 14 से 18 तक नागरिकों समानता का अधिकार प्राप्त है। समानता का अर्थ यही हैं कि किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार से भेदभाव नहीं किया जाए, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, मूलवंश, लिंग आदि पर भेदभाव करना संविधान का उल्लंघन होता है। जानते हैं इसी संदर्भ में अनुच्छेद 17 क्या है?

भारतीय संविधान अधिनियम,1955 के अनुच्छेद 17 की परिभाषा-

यह अनुच्छेद अस्पृश्यता (भेदभाव,छुआछुत) का अंत करता है एवं कोई भी व्यक्ति-व्यक्ति से छुआछूत नहीं कर सकेगा और अगर वह ऐसा करता है तो यह संवैधानिक अधिकार पर अतिक्रमण होगा।

अनुच्छेद 17 पर विधि-

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17 एवं अनुच्छेद 35 के अधीन संसद ने सन् 1955 में अस्पृश्यता अपराध अधिनियम,1955 पारित किया था, इस अधिनियम में छुआछूत के अपराध के लिए दण्ड व्यवस्था करता एवं सजा का प्रावधान था। इसके बाद सन् 1967 द्वारा संशोधन करके अस्पृश्यता के पालन करने के लिए विहित दण्ड को और भी कठोर बना दिया गया एवं इस अधिनियम का नाम को बदलकर सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम,1955 कर दिया गया। इसके अधीन लोकसेवक का यह कर्तव्य होगा कि वह उक्त अपराधों की जाँच करें एवं समुचित कार्यवाही तुरंत करें अगर लोकसेवक अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करता है एवं जानबूझकर कर्तव्य की उपेक्षा करता है तब उसे भी दण्ड दिया जाएगा।

अस्पृश्यता का अर्थ -

भारतीय संविधान में अस्पृश्यता शब्द को कहीं भी परिभाषित नहीं किया है लेकिन न्यायालय द्वारा समय-समय पर इसका अर्थ बताया गया है। जैसे निम्न वर्गों के साथ छुआछूत करना, रोगी से भेदभाव करना, जातिप्रथा के अनुसार भेदभाव उत्पन्न करना, मृत्यु के कारण अस्पृश्यता करना आदि।

नोट- उच्चतम न्यायालय ने पीपुल्स यूनियन फार डेमोक्रेटिक राइट्स बनाम भारत संघ में अभिनिर्धारित किया है कि अनुच्छेद 17 का मौलिक अधिकार राज्य के विरुद्ध उल्लंघन तो है ही यह प्राइवेट व्यक्तियों के विरूद्ध भी उल्लंघन माना जायेगा, अर्थात कोई व्यक्ति छुआछूत जैसा व्यवहार करता है तो उसके खिलाफ अनुच्छेद 32 के अंतर्गत डारेक्ट उच्चतम न्यायालय में याचिका लगाई जा सकती है क्योंकि यह मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।

मध्यप्रदेश में व्यवस्थाओं के सरलीकरण के कारण तेज गति से आ रहा है निवेश

प्रगति के क्षेत्र में महाराष्ट्र और मप्र जोड़ीदार राज्य : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए व्यवस्थाओं को सरल बनाया गया है। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत इस वर्ष सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, भोपाल के दौरान 18 नई नीतियां लागू की गईं। सरलीकृत की गई व्यवस्थाओं के कारण मध्यप्रदेश में तेज गति से निवेश आ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराष्ट्र के उद्यमियों से मध्यप्रदेश में निवेश का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रगति के क्षेत्र में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जोड़ीदार राज्य हैं। अतीत के गौरवशाली पृष्ठ को देखें तो महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश का गहरा संबंध रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुम्बई में इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग एंड वाइट गुड्स इन मध्यप्रदेश को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि व्यापारियों को नई पॉलिसियों का लाभ दिया जा रहा है। बिजनेस और निवेश को लेकर निरंतर सीसीआई की बैठकें आयोजित की जाती हैं। प्रदेश में संभागीय स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर छोटे शहरों को इंडस्ट्री से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आज इस सत्र के माध्यम से रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में 19,900 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश एवं अन्य सभी सेक्टर्स में 54,400 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 74,300 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए हैं। कार्यक्रम में सन फार्मा के अध्यक्ष श्री दिलीप सांघवी, सीआईआई के अध्यक्ष श्री नील सी. रहेजा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), ईसीजीसी श्री सृष्टिराज अम्बष्ठा, हिंडाल्को के प्रबंध निदेशक श्री सतीश पाई, हेत्तिच (Hettich) के प्रबंध निदेशक श्री आंद्रे एकहोल्ट, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (एमडी एवं सीएफओ), आईपीसीए लैब श्री अजीत कुमार जैन और एफआईईओ के उपाध्यक्ष श्री रविकांत कपूर विशेष रूप से मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिवाजी महाराज और प्रदेश के सिंधिया, होल्कर, पवार इतिहास के उस दौर में भारतीय समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका में रहे। उज्जैन में बाबा महाकाल की ध्वजा जिस शान से लहराती है, उसके अतीत में शिवाजी महाराज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के मध्य उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में संबंध अधिक सशक्त होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज मुंबई में इन्टरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्यूमनिटीज इन मध्य प्रदेश कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पढ़िए सभा सम्मेलन के मौलिक अधिकार पर कब और कौन प्रतिबंध लगा सकता है- Fundamental rights....

सभा एवं सम्मेलन करना लोकतंत्र में एक सहज एवं स्वाभाविक बात है।इसके माध्यम से एक दूसरे में विचारों का आदान प्रदान किया जाता है।इसी कारण कभी-कभी इसे वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जोड़ दिया जाता हैं या कहे तो दोनो एक दूसरे के पूरक होते हैं। सभा एवं सम्मेलन विचारों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम समझा जाता है क्योंकि प्रकाशन को छोड़कर विचारों की अभिव्यक्ति का दूसरा कोई अच्छा माध्यम यही है इसलिए भारतीय संविधान में इसे मौलिक अधिकार के रूप में सम्मिलित किया गया है जानिए।

भारतीय संविधान अधिनियम, 1950 का अनुच्छेद 19(1)(ख) की परिभाषा

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ख) भारतीय नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से बिना हथियार के सभा या सम्मलेन की स्वतंत्रता प्रदान करता है, इसमें सार्वजनिक सम्मलेन, प्रदर्शन, जुलूस, सभाएं को भी सम्मिलित किया गया है।

सभा एवं सम्मेलन के अधिकार की शर्तें-

1. सभा या सम्मेलन शांतिपूर्ण होना चाहिए।
2. यह बिना हथियारों के होना चाहिए।
3. यह देश(राज्य) की प्रभुता, एकता और अखंडता एवं लोक-व्यवस्था,लोकशान्ति के प्रतिकूल नहीं होना चाहिए।

अर्थात उपर्युक्त शर्तो के अधीन भारत का प्रत्येक नागरिक सभा, सम्मेलन, प्रदर्शन आदि कर सकता है एवं यह उनका संवैधानिक अधिकार होगा।

- लेखक बी.आर. अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

आज़ाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष बने कैलाश अहिरवार, युवाओं में दौड़ी खुशी की लहर

राजू राय - संभागीय संवादाता

शहडोल। भीम आर्मी से संबद्ध आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने शहडोल जिले के लिए अपने नए संगठनात्मक ढांचे की घोषणा की है। पार्टी ने कैलाश अहिरवार को शहडोल जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह पिछले कई सालों से समाज कल्याण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। कैलाश कुमार अहिरवार की नियुक्ति के बाद जिलेभर के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। आज़ाद समाज पार्टी ने बहुत कम समय में ही देशभर में अपनी मज़बूत पहचान बनाई है। यह पार्टी दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और गरीब तबकों की आवाज बनकर उभरी है। संगठन विस्तार के साथ आगामी स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों में पार्टी अपनी स्थिति और मजबूती को और बढ़ाने की तैयारी में है। गौरतलब है कि आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनावों में देश के विभिन्न राज्यों में अपने प्रत्याशी उतारे थे। भले ही पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी, लेकिन उसके प्रदर्शन को उत्साहजनक माना गया। पार्टी का चुनाव चिन्ह केटली है, और यह संगठन देश में एक नए राजनीतिक विकल्प के रूप में उभर रहा है।

समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश शासकीय योजनाओं का मिले लाभ

सभी अधिकारी शासकीय योजनाओं का कराएं बेहतर क्रियान्वयन-अपर कलेक्टर

- **सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का गंभीरता के आधार पर कराएं निराकरण-अपर कलेक्टर**
- **अपर कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश**

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पांडेय ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी शासकीय योजनाओं का प्रभावी, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए।। अपर कलेक्टर ने कहा कि विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय और सहयोग की भावना के साथ कार्य करें, ताकि लक्ष्य प्राप्ति में कोई बाधा न आए तथा योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए और जहां आवश्यक हो, नवाचार एवं सुधारात्मक कदम अपनाए जाएँ, जिससे शासन की मंशा के अनुरूप परिणाम प्राप्त हो सके। अपर कलेक्टर श्री पांडेय आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में अपर कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का गंभीरता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर चर्चा करें और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करें तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि जनता को शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके। बैठक में अपर कलेक्टर ने ई-ऑफिस प्रणाली, ई-अटेंडेंस, कमिश्नर शहडोल संभाग द्वारा चिन्हित प्रकरणों, समाधान ऑनलाइन प्रकरण सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रकरणों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित किया जाए। अधिकारी सक्रिय रुचि लेकर समाधान प्राथमिकता के आधार पर करें। इसी प्रकार बैठक में अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए अपर कलेक्टर ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग श्री के. के. सोनी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री सरिता नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

लकवाग्रस्त मरीजों के लिए शासकीय होम्योपैथी चिकित्सालय में विशेषज्ञ इकाई शुरू

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल में भारत सरकार के सहयोग से लकवा ग्रस्त मरीजों के लिए विशेषज्ञ इकाई की स्थापना की गई है। केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद भारत सरकार नई दिल्ली के सहयोग से स्थापित इस इकाई में विशेषज्ञों के एक दल द्वारा लकवा से ग्रस्त मरीजों को दवा, फिजियोथैरेपी, आहार चिकित्सा एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से उपचारित किया जाएगा। इकाई में मरीजों को भर्ती करने की सुविधा भी उपलब्ध है। इकाई में पंजीकृत होने एवं सेवाओं का लाभ लेने के लिए दूरभाष क्रमांक 0755-299 2970 पर शासकीय दिवसों में कार्य समय में अपॉइंटमेंट लिया जा सकता है। व्यवस्था अनुसार प्रतिदिन अपॉइंटमेंट दिया जाएगा व मरीज का परीक्षण एवं उपचार शुरू किया जाएगा। यह इकाई प्रत्येक कार्य दिवस पर प्रातः 9 बजे से दोपहर एक बजे तक बाह्य मरीजों के लिए एवं भर्ती मरीजों के लिए 24 घंटे कार्यरत रहेगी। मरीज को इस इकाई में आने के पूर्व अपॉइंटमेंट लेना सुनिश्चित करना होगा। प्रधानाचार्य डॉ एस.के. मिश्रा ने बताया कि यह प्रदेश में पहला ऐसा केंद्र स्थापित हुआ है, जिसमें शासन के होम्योपैथिक महाविद्यालय द्वारा लकवा ग्रस्त मरीजों की विशेषज्ञ इकाई की सुविधा दी गई है। इकाई में राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा स्थापित विशेषज्ञ फिजियोथैरेपी लैब के माध्यम से भी मरीज का पुनर्वास किया जाएगा। डॉ. जूही गुप्ता ने बताया कि सामान्यतः उच्च रक्तचाप जैसी आम समस्याओं से लकवा जैसी गंभीर समस्या की उत्पत्ति होती है, जिसे रोगी अपने जीवन का हिस्सा मान लेता है। हमारी इस विशेषज्ञ इकाई को इस प्रकार बनाया गया है जिससे ऐसे मरीज वापस सामान्य रूप से चलने फिरने और क्रियाएं करने में सक्षम होंगे फिजियोथैरेपी विशेषज्ञ डॉक्टर अनंत सिंह ने बताया कि आज विज्ञान के पास ऐसे सरल उपाय हैं।

प्रतिकात्मक चित्र

सिलवानी में मान्यवर कांशीराम साहब का परिनिर्वाण दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय संवाददाता

सिलवानी (जिला रायसेन)। बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम साहब के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर तहसील सिलवानी में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेपाल सिंह चौधरी (ब्लॉक अध्यक्ष) एवं पूर्व तहसील अध्यक्ष संतोष जाटव ने की।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में भीम आर्मी जिला अध्यक्ष राकेश अंबेडकर, निलेश चौधरी, आज़ाद समाज पार्टी जिला अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र अहिरवार, जिला सचिव प्रीतम परिहार, सह सचिव अनिल अहिरवार, तहसील अध्यक्ष उदयपुरा अरविंद अहिरवार, ब्लॉक अध्यक्ष गैरतगंज जगदीश शिल्पी, बलराम अंबेडकर, कमलेश चौधरी (तहसील अध्यक्ष), हीरालाल कटयार, प्रीतम अहिरवार (उदयपुरा), नवनीत कुमार, और भूपेंद्र चौधरी (तहसील अध्यक्ष सिलवानी) सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कांशीराम साहब के विचारों और संघर्ष को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाज के वंचित और शोषित वर्गों को एकजुट करने का कार्य किया। उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने भीम आर्मी को रायसेन जिले में और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जय भीम जय भारत के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

अभियान चलाकर घर-घर से रिकवर करें प्रतिबंधित दवा छिंदवाड़ा मामले में सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

छिंदवाड़ा जिले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कारण बच्चों की मृत्यु की घटना संज्ञान में आने पर कोल्ड्रिफ सिरप के सैम्पल जांच में नमूने अमान्य पाए गए। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कोल्ड्रिफ सिरप के विक्रय को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित किया गया, साथ ही इस दवा की प्रदेश में आवाजाही पर सख्त निगरानी के निर्देश भी दिए गए। सिरप को बनाने वाली कंपनी के अन्य प्रोडक्ट की बिक्री पर भी बैन लगाया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि छिंदवाड़ा प्रकरण में सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार सजग और संवेदनशील है, मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस क्रम में औषधि निरीक्षक छिंदवाड़ा गौरव शर्मा, औषधि निरीक्षक जबलपुर शरद कुमार जैन, उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन शोभित कोस्टा को निलंबित और ड्रग कंट्रोलर श्री दिनेश मौर्य को अन्यत्र स्थानांतरित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा प्रकरण के संबंध में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोल्ड्रिफ सिरप के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही दुकानों में विद्यमान स्टॉक जप्त किया जाए। छिंदवाड़ा और आसपास के जिलों में जिन परिवारों ने यह दवा ली है, उनके घरों

से दवा रिकवर करने के लिए सघन अभियान चलाया जाए। आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं के साथ ही सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों का सहयोग लिया जाए। कोल्ड्रिफ सिरप दवा के अलावा पिछले दिनों क्षेत्र में बिकने वाली अन्य दवाओं की प्रभावशीलता का भी आकलन कराया जाए। दवाओं पर जो चेतावनी और सावधानियां लिखी जानी चाहिए, वह लिखी जा रही हैं या नहीं इसकी जांच के लिए अभियान आरंभ किया जाए। इन नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई की जाए। चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कॉम्बिनेशन ड्रग नहीं देने की व्यवस्था है, जो डॉक्टर इस व्यवस्था का पालन नहीं कर रहे हैं, उन पर भी कार्यवाही की जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैडियाट्रिक्स सहित चिकित्सकों के विभिन्न संगठनों और केमिस्ट एसोसिएशन के सहयोग से आवश्यक सावधानियां अपनाने और जागरूकता फैलाने के लिए कदम उठाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी स्थिति दोबारा न बने इसके लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोल्ड्रिफ सिरप की निर्माता कंपनी पर कार्यवाही के लिए तमिलनाडु राज्य सरकार को घटनाक्रम से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।बैठक में बताया गया कि छिंदवाड़ा से गंभीर प्रकरणों की जानकारी प्राप्त होते ही राज्य स्तर से चिकित्सकों का दल छिंदवाड़ा भेजा गया। नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल और सेंट्रल ड्रग्स स्टेण्डर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन का भी जांच में सहयोग लिया गया। आठ मरीजों की जाँच के लिए उनके नमूने पुणे स्थित प्रयोगशाला भेजे गए। साथ ही छिंदवाड़ा से विभिन्न दवाओं के सैम्पल लेकर उनकी जांच कराई गई। छिंदवाड़ा और परासिया के निजी चिकित्सकों, अस्पतालों और केमिस्ट के साथ बैठक कर स्थिति का आंकलन किया गया और उन्हें आवश्यक सावधानियां बरतने के संबंध में सलाह दी गई। छिंदवाड़ा जिले में प्रभावित मरीजों को चिन्हित करने के लिए सर्वे आरंभ किया गया। क्षेत्र से प्राप्त हो रहे इस प्रकार के प्रकरणों को आवश्यकता होने पर आगे के इलाज के लिए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय नागपुर के लिए रैफर किया गया। जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर दवा पर प्रतिबंध लगाया गया तथा अस्पतालों और केमिस्टों के निरीक्षण की प्रक्रिया भी आरंभ की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया और हिमाचल प्रदेश व तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर्स को भी इस आशय की सूचना दी गई। तमिलनाडु ड्रग कंट्रोलर से कोल्ड्रिफ सिरप की जांच रिपोर्ट में नमूने अमान्य पाये जाने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए सिरप के विक्रय को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित किया गया। साथ ही अधिकांश मरीजों को कोल्ड्रिफ दवा लिखने तथा अपने परिवार के सदस्य के माध्यम से कोल्ड्रिफ दवा की ?बिक्री कराने वाले डॉक्टर के निलंबन और दवा निर्माता के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही की गई।

6 वर्षीय मासूम बलिका से दुष्कर्म, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर/ राजेंद्र ग्राम। जिले के राजेंद्र ग्राम थाना क्षेत्र में 6 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना को पड़ोस में रहने वाले 15 साल के नाबालिग लड़के ने अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपी नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। राजेंद्र ग्राम एसडीओपी नवीन तिवारी के मुताबिक, घटना 7 अक्टूबर की शाम की है। बच्ची अपने घर से कुछ दूर आरोपी के घर के पास खेल रही थी, तभी आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया और वहां दुष्कर्म किया। आरोपी के घर से निकलने के बाद बच्ची जब अपने घर पहुंची तो वह दर्द में थी। उसके कपड़ों और शरीर पर खून लगा हुआ था। बच्ची की मां ने यह देखकर उससे पूछा, जिसके बाद बच्ची ने पूरी घटना मां को बताई। परिजनों ने तत्काल डायल 112 पर इसकी शिकायत की। इसके बाद बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले की जानकारी मिलने पर डीआईजी सविता सुहाने अनूपपुर पहुंचीं और अस्पताल में भर्ती बच्ची का हालचाल जाना।

उदयपुरा में आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर निकाली गई विशाल रैली।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुर, रायसेन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उदयपुरा में एक भव्य एकता एवं संस्कृति रैली का आयोजन किया गया। शहर की सड़कों पर हजारों स्वयंसेवक पारंपरिक गणवेश में अनुशासनबद्ध पंक्तियों में कदमताल करते हुए निकले। रैली का शुभारंभ नगर के प्रमुख स्थल नए बस स्टैंड उदयपुरा से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए बस स्टैंड पर समाप्त हुई। इस दौरान शहरवासियों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह रैली सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ निकाली गई है। रैली में विभिन्न तमाम स्वयंसेवसंघ के कार्यकर्ता शामिल हुए। मुख्य वक्ता जय दीप जी धाकड़ ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 100 वर्षों में देश की सांस्कृतिक एकता, सेवा कार्यों और राष्ट्रभक्ति की भावना को नई दिशा दी है। आने वाला शताब्दी वर्ष 'सशक्त भारत' के निर्माण का प्रतीक बनेगा। रैली के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए थे। प्रशासन ने यातायात को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में युवा उत्सव का भव्य शुभारंभ

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में वार्षिक युवा उत्सव प्रतियोगिताओं का आयोजन प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में हर्षोल्लासपूर्वक प्रारंभ हुआ। प्राचार्य डॉ. भारद्वाज ने उद्घाटन सत्र में अपने उद्बोधन में कहा कि युवा उत्सव विद्यार्थियों के आत्मविकास, सांस्कृतिक चेतना और व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सृजनशीलता, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। कार्यक्रम के युवा उत्सव प्रभारी श्री शिवाकांत मौर्य ने बताया कि उत्सव के अंतर्गत रंगोली, पोस्टर, वाद-विवाद, भाषण तथा प्रश्न मंच जैसी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंकिता गौर (एलएल.बी. द्वितीय वर्ष) द्वितीय स्थान स्मिता बकोरिया (एलएल.बी. प्रथम वर्ष) तृतीय स्थान नेहा लोट (एलएल.बी. द्वितीय वर्ष) ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हर्ष चुटीले (एलएल.बी. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान सूफिया अबरार (एलएल.बी. प्रथम वर्ष), तृतीय स्थान अंकिता गौर (एलएल.बी. द्वितीय वर्ष) रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता (विषय - ज्ञान परंपरा तथा आधुनिक ज्ञान के मध्य संतुलन आवश्यक है?) में प्रथम स्थान — लक्ष्य मालवीय (एलएल.बी. द्वितीय वर्ष), द्वितीय स्थान — श्रेयांस मिश्रा (एलएल.बी. द्वितीय वर्ष), तृतीय स्थान — रीता परमार (एलएल.बी. द्वितीय वर्ष) ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता (विषय - आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका) में प्रथम स्थान — लक्ष्य मालवीय, द्वितीय स्थान — रोहित नौरिया,तृतीय स्थान — श्रेयांस मिश्रा रहे। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में एलएल.बी. प्रथम वर्ष की टीम विजयी रही, जिसके सदस्य राहुल, चेतन और अंकिता रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में महाविद्यालय के प्राध्यापकगणों एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उत्सव का वातावरण पूरे परिसर में उत्साह, सृजन और प्रतिस्पर्धा की भावना से सराबोर रहा।

राष्ट्रपति भवन में भोपाल की आयुषी सिन्हा को मिला राष्ट्रीय सेवा योजना का सर्वोच्च पुरस्कार

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल की एनएसएस इकाई की स्वयंसेवक सुश्री आयुषी सिन्हा को सत्र 2022-23 में किए गए उत्कृष्ट सेवाकार्यों के लिए भारत की आदरणीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें 06 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में मिला। इस गौरवशाली उपलब्धि पर संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. इंदिरा बर्मन ने आयुषी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आयुषी की यह सफलता न केवल संस्थान के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह हर स्वयंसेवक के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। आयुषी सिन्हा पिछले सात वर्षों से एनएसएस से जुड़ी हैं और उन्होंने सेवा को केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन का लक्ष्य बनाकर कार्य किया है। उन्होंने अनेक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय शिविरों — जैसे प्री-रिपब्लिक डे परेड कैंप (पटना), राष्ट्रीय युवा संसद, नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर (शिवपुरी), राष्ट्रीय एकता शिविर (कोयंबटूर), 'मा तुझे प्रणाम' कार्यक्रम (अमृतसर), युवा संगम ङ्क एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम (सूरथकल, कर्नाटक) और राज्य स्तरीय नेतृत्व शिविर (पचोर) में अपनी सक्रिय भागीदारी से संस्थान का नाम रोशन किया है। इसके अलावा उन्होंने समाज में डिजिटल साक्षरता, ग्रीन विलेज अभियान, जैविक खेती, वस्त्र व स्टेशनरी वितरण, वर्षा जल संचयन, मतदाता जागरूकता, और शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार जैसे कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि आयुषी सिन्हा अब तक 8 बार रक्तदान कर चुकी हैं। उनके लिए रक्तदान केवल सेवा नहीं, बल्कि जीवन बचाने का संकल्प है। आयुषी का जीवन-दर्शन स्वयं से पहले आप और स्वयं सजे, वसुंधरा संवरे की भावना को साकार करता है। अपने समर्पण और निष्ठा से उन्होंने सिद्ध किया है कि जब युवा मन ठान ले, तो समाज की दिशा और दशा दोनों बदली जा सकती हैं।

अमरकंटक में 69वीं राज्य स्तरीय शालेय सेपक टाकरा प्रतियोगिता का भव्य आगाज़

खिलाड़ियों के उत्साह और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजा क्रीड़ा परिसर क्षेत्र

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर /अमरकंटक। अमरकंटक ङ्क मां नर्मदा की उद्गम स्थली / पवित्र नगरी अमरकंटक की पावन धरा पर बुधवार को एक नया इतिहास रचा गया । जिला शिक्षा विभाग अनूपपुर के तत्वावधान में 69वीं राज्य स्तरीय शालेय सेपक टाकरा प्रतियोगिता का शुभारंभ अमरकंटक के बालक/कन्या क्रीड़ा परिसर में बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ खेल प्रतियोगिता का आरंभ हुआ । यह प्रतियोगिता आगामी 8 अक्टूबर से 11अक्टूबर 2025 तक चलेगी , जिसमें प्रदेश भर से प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएँ अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन करेंगे राज्य के शहडोल , उज्जैन , सागर , जबलपुर , ग्वालियर और इंदौर जनजातीय सहित विभिन्न संभागों से आए 240 खिलाड़ी मैदान में अपनी प्रतिभा को आजमाने अमरकंटक के खेल मैदान में उतरे हैं । खिलाड़ियों में जोश और अनुशासन ने पूरे परिसर का वातावरण खेलमय और ऊर्जावान बना दिया

दीप प्रज्वलन से हुई शुरुआत: कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक पुष्पराजगढ़ फुंदेलाल सिंह मार्को ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया । इसके उपरांत अतिथियों का स्वागत पुष्पमालाओं और बैच से किया गया । स्वागत गीत की मधुर प्रस्तुति पीएम श्री हायर सेकंडरी स्कूल अमरकंटक की छात्राओं ने दी जिसने पूरे आयोजन को उत्साह और उल्लास से भर दिया

विधायक ने दी खेल भावना की प्रेरणा: पुष्पराजगढ़ विधायक फुदे लाल सिंह मार्को ने अपने संविधान में कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का नहीं , बल्कि अनुशासन , एकता और संघर्ष की जीवंत पाठशाला हैं । हमें सदैव निष्पक्ष भाव से खेलना चाहिए और अपनी श्रेष्ठता पूरे मनोयोग से प्रदर्शित करनी चाहिए उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनके सफलता और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं

रोमांचक हुआ पहला मुकाबला: उद्घाटन मैच शहडोल संभाग और जनजातीय संभाग के बीच खेला गया । तीन राउंड तक चले इस कड़े और रोमांचक संघर्ष में अंततः जनजातीय संभाग ने 15/13 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का शुभारंभ विजयी अंदाज़ में किया ।

गरिमामयी रही उपस्थिति: इस अवसर पर नगर परिषद अमरकंटक की अध्यक्ष पार्वती सिंह उइके , एडीएम अनूपपुर दिलीप पांडेय , सीएमओ चैन सिंह परस्ते , प्राचार्य कल्याणिका महाविद्यालय डॉ आर एस कुशवाहा , सामाजिक कार्यकर्ता , पार्षद सुखनंदन सिंह , विक्की द्विवेदी , वीरू तंबोली , रंजीत सिंह , सूरज साहू , सोनू जैन , पत्रकार सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे ।

खेल का हुआ परिचय

सेपक टाकरा जिसे बुका बॉल , किक वॉलीबॉल या फुट वॉलीबॉल भी कहा जाता है , दक्षिण-पूर्व एशिया का लोकप्रिय खेल है । यह बैडमिंटन कोर्ट जैसे मैदान पर खेला जाता है, जिसमें खिलाड़ी गेंद को पैरों , घुटनों , छाती , कंधों और सिर की सहायता से जाल के पार भेजते हैं । इसे वॉलीबॉल और फुटबॉल का अनोखा संगम माना जाता है , जिसमें फुर्ती , ताकत और सामंजस्य की असाधारण आवश्यकता होती है।

शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

दिनांक 01 अक्टूबर 2025 को शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में अशोक और बादाम के पौधों का रोपण किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार पटेल पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष न केवल जीवन का आधार हैं बल्कि वे पृथ्वी पर संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे न केवल पौधे लगाएँ बल्कि उनकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएँ। कार्यक्रम में डॉ. ओम शर्मा, डॉ. हरिप्रकाश मिश्रा, अरुणिका जैन सहित समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। स्वयंसेवकों ने परिसर की साफ-सफाई कर पौधों के संरक्षण हेतु गड्ढे तैयार किए और जल देकर पौधों को सींचा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने यह संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित किया जाएगा.

पेड़ जरूर लगाए,राज्यपाल वन्य जीव सप्ताह समापन समारोह में हुए शामिल प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ग्लोबल वार्मिंग प्रकृति के साथ छेड़-छाड़ का नतीजा है और अब जरूरी है कि जहां भी उपयुक्त जगह मिले पेड़ जरूर लगाए जाएं। विकास के साथ ही प्रकृति संरक्षण के लिए सजग और सक्रिय होना भी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से कहा कि बच्चों को बचपन से ही मानव और प्रकृति के सह अस्तित्व की सीख दें। राज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे ।राज्यपाल ने कहा कि वन और वन्यजीव हमारे पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ हैं और इनका अस्तित्व हमारे वनों, नदियों और जलवायु की संतुलित स्थिति से सीधे जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि देखकर गर्व होता है कि आज हमारी युवा पीढ़ी भी वन्यजीव संरक्षण की दिशा में रुचि दिखा रही है और सक्रिय भागीदारी कर रही है। उन्होंने कहा कि संतुलित विकास समय की जरूरत है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण की पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर सहभागिता का संदेश देने के लिए वन सप्ताह के आयोजन की थीम संरक्षण से सह-अस्तित्व की ओर की सराहना की है। वन विभाग, पर्यावरणविद और स्वयं सेवी संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों, विद्यालयों और विभिन्न समुदायों को जन-जन तक पर्यावरण शिक्षा को पहुँचाने के प्रयासों में सहयोग के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश टाइगर फाउंडेशन सोसायटी के वार्षिक प्रतिवेदन 2024-25, जैव विविधता बोर्ड के लेपल पिन बॉक्स तथा प्रथम भोपाल बर्ड फेस्टिवल पोस्टर, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम के ग्रासेस ऑफ सतपुड़ा, भोपाल बर्डस भोपाल के मध्यप्रदेश के पक्षी फील्ड गाईड प्रकाशनों का लोकार्पण किया गया। राज्यपाल ने वन विहार प्रबंधन तथा वन्य प्राणी संरक्षण में सराहनीय योगदान के लिए कर्मचारियों

को पुरस्कृत किया। पांच वर्गों में चित्रकला प्रतियोगिता के और दो वर्गों में फोटोग्राफी, सहित मेहंदी, पॉम पेंटिंग, टोडलर वॉक और फेस पेंटिंग की सात प्रतियोगिताओं के कुल 34 विजेताओं को पुरस्कृत किया ।राज्यपाल का कार्यक्रम के प्रारंभ में तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया उन्हें स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। प्रधान वन्यजीव संरक्षक ने सप्ताह के दौरान आयोजित गतिविधियों का विवरण दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा सेवा पखवाड़ा मनाया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदा पुरम राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा सेवा पखवाड़ा मनाया गया प्राचार्य डॉक्टर रामकुमार चौकसे जी के नेतृत्व में तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ इरा वर्मा के मार्गदर्शन में सेवा पखवाड़े के तहत स्वच्छ भारत विकसित भारत स्वस्थ नारी सशक्त नारी डिजिटल भारत पर्यावरण संरक्षण स्वदेशी स्वावलंबन और आत्मनिर्भर भारत नशा मुक्त भारत स्वस्थ युवा स्वस्थ भारत जैसे विषयों को लेकर समृद्ध नई स्वस्थ पोषण आहार सामुदायिक विकास की भावना से ग्राम जासलपुर में ग्रामीण जनता के सहयोग से 5 एकदिवसीय विशेष सेवाओं का आयोजन किया गया जासलपुर की ग्रामीण

जनता ने स्वच्छ भारत अभियान स्वच्छ भारत रैली पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण जैविक खेती स्वस्थ नारी सशक्त नारी समृद्ध पोषण आहार प्रत्येक बालिका का अधिकार स्वदेशी स्वावलंबन और आत्मनिर्भर भारत डिजिटल भारत तथा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में बढ़-चढ़कर सहयोग किया छात्रों ने स्वच्छ भारत के लिए श्रमदान किया पौधारोपण के द्वारा पर्यावरण निर्माण में सहयोग करने तथा नशा मुक्त भारत का निर्माण करने स्वस्थ युवा स्वस्थ भारत स्वस्थ नई जैसे विषयों पर एक देसी विशेष शिविरों में ग्रामीण जनता ने बढ़-चढ़कर भाग लिया छात्राओं द्वारा स्वच्छ भारत पर्यावरण संरक्षण स्वस्थ नारी सशक्त नारी स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर नुक्कड़ नाटक ऑन द्वारा सामाजिक कुरीतियों से बचने का संदेश दिया गया तथा नशा नहीं करने स्वस्थ और सशक्त युवाओं का निर्माण करने तथा समृद्ध पोषण आहार प्रत्येक बालिका का अधिकार बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ के संदेश जासलपुर के ग्राम वासियों को दिए गए जन जागरण किया घर-घर पौधारोपण लगाने और हरियाली और पर्यावरण निर्माण का संदेश दिया मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर रवि उपाध्याय डॉ राजेश दीवान में विशेष सहयोग किया स्वस्थ नारी सशक्त परिवार विषय को लेकर आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 107 ग्राम वासियों के स्वास्थ्य परीक्षण किए गए जिसमें ब्लड प्रेशर टेस्ट शुगर टेस्ट एवं रक्त परीक्षण किए गए तथा युवा विद्यार्थियों को समृद्ध और समुचित पोषण आहार की विशेष जानकारी दी गई एनीमिया डेंगू से बचाव के भी विभिन्न उपयोगी सुझाव ग्राम वासियों को दिए गए छात्राओं ने नुक्कड़ नाटकों द्वारा स्वस्थ स्वस्थ नारी सशक्त नारी आत्मनिर्भर युवा विकसित डिजिटल भारत जैसे विषयों पर समाज को प्रेरणादाई संदेश दिए कार्यक्रम में डॉक्टर मनीष परिहार अंजलि बट पांडे नित्य पटेरिया जय सिंह ठाकुर इत्यादि शिक्षकों ने विशेष सहयोग किया।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ब्लॉक ईकाई जयसिंह नगर के तत्वाधान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी-जिन्दाबाद

पंजीयन क्र.-56/107/91

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा

जिला -शहडोल (म.प्र.)

दीपक सिंह परस्ते
कार्य. जिला अध्यक्ष
गों.ग.पा युवा मोर्चा जिल-शहडोल

ग्राम-पतेरियाटोला पो. बनसुकली
तह. जयसिंहनगर
जिला- शहडोल (म.प्र.)
मो.नं.- 8641015460

GGP/

दिनांक

प्रति,

श्री मान कलेक्टर महोदय,
जिला शहडोल(म0प्र0)

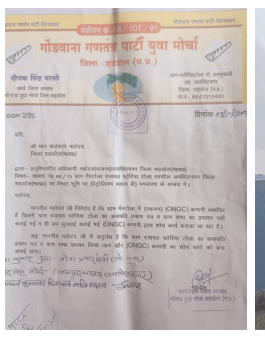

द्वारा- अनुविभागीय अधिकारी महोदय(राजस्व)जयसिंहनगर जिला शहडोल(म0प्र0)
विषय- खसरा नं0 68/15 ग्राम मैरटोला पंचायत पतेरिया टोला तहसील जयसिंहनगर जिला शहडोल(म0प्र0) पर स्थित भूमि पर (पेट्रोलियम क्लास बी) भण्डारण के सम्बंध में।

महोदय,

माननीय महोदय जी निवेदन है कि ग्राम मैरटोला में (रसायन) (ONGC) कम्पनी स्थापित है जिसमें ग्राम पंचायत पतेरिया टोला का अनापत्ति प्रमाण पत्र व ग्राम सभा का प्रस्ताव नही कराई गई न ही जन सुनवाई कराई गई (ONGC) कम्पनी द्वारा शोध कार्य कराया जा रहा है।

अतः माननीय महोदय जी से अनुरोध है कि ग्राम पंचायत पतेरिया टोला का अनापत्ति प्रमाण पत्र व ग्राम सभा प्रस्ताव लिया जाय और (ONGC) कम्पनी का शोध कार्य को बन्द कराई जाय।

भवदीय
कार्यवाहक जिला अध्यक्ष
गोंगपा युवा मोर्चा शहडोल (म.प्र.)

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल – जयसिंहनगर क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों को लेकर शोषित पीड़ित वंचित, न्याय पाने को त्रस्त गरीब मजदूर की आवाज को बुलंद करने तथा जल जंगल जमीन की लड़ाई लड़ने के लिए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी तैयार है उक्त दिनांक 08 अक्टूबर 2025 दिन बुधवार को क्षेत्र में व्याप्त शोषण, अन्याय,भ्रष्टाचार को लेकर संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए जयसिंह नगर प्रशासन को ज्ञापन दिया गया , ग्राम पंचायत पतेरिया टोला अन्तर्गत राजस्व ग्राम मैर टोला की भूमि खसरा नंबर 68/15 स्थित भूमि पर (पेट्रोलियम क्लास क्क) ह्हत्नष्ट कंपनी (देहरादून की) स्थापित है और शोध का कार्य कराया जा रहा है जिसमें ग्राम पंचायत पतेरिया टोला का ठ्ठ्श्ष वा ग्राम सभा का प्रस्ताव नहीं कराई गई और ना ही जनसुनवाई कराई गई गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा कार्यवाहक जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा दीपक सिंह परस्ते बताया कि न लोक सभा न विधान सभा सबसे बड़ी ग्राम सभा ग्राम पंचायत पतेरिया टोला का एनओसी ग्राम सभा का प्रस्ताव लिया जाय जब तक ग्राम सभा का प्रस्ताव नहीं लिया जाता है तब तक ह्हत्नष्ट कंपनी का शोध कार्य पूर्णतः बंद कराई जाय 09 बिंदु पर गोंगपा मांग की गई उप स्वास्थ्य केंद्र ग्राम बुधसार में ष्ट.॥.ह्र. एवं.ह्र.रूकी 06 माह से पदस्थ नही है रिक्त पदों पर पदस्थापना कराई जाय इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे माननीय रूपेश कुमार गुप्ता प्रदेश प्रचार मंत्री अध्यक्षता कर रहे दीपक सिंह परस्ते कार्यवाहक जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा शहडोल विशिष्ट अतिथि तिरु रामराज कुशवाहा जिला कार्यकारणी सदस्य, प्रमोद सिंह मार्को जनपद सदस्य जयसिंह नगर, विजयनाथ सिंह मरकाम ब्लॉक कार्यकारणी सदस्य, जगन्नाथ सिंह कुशराम वरिष्ठ समाजसेवी , पप्पू सिंह बड़करे, अजमेर सिंह वरिष्ठ समाजसेवी, धन्नू सिंह परस्ते, तेजबहादुर सिंह मरावी, मुलायम सिंह परस्ते, लेखन सिंह मरावी, रामगोपाल सिंह परस्ते, रघुनाथ सिंह नेटी वरिष्ठ समाजसेवी,नन्दलाल सिंह परस्ते, खुलाल सिंह नेटी पूर्व जनपद सदस्य,भैयालाल सिंह परस्ते, उपेन्द्र सिंह परस्ते, मनोज सिंह परस्ते, लल्लू सिंह अर्मो, रामखेलावन नेटी, मोतीलाल सिंह परस्ते, प्रेम सिंह मरावी, एवं समस्त ब्लॉक ईकाई जयसिंह नगर के कार्यकर्ता शामिल हुए।

सावधान! कागज़ के कप में गर्म पेय पीना खतरनाक,पंद्रह मिनट में छोड़ते हैं हज़ारों माइक्रोप्लास्टिक कण

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

एक शोध से पुष्टि हुई है कि प्लास्टिक परत वाले डिस्पोजेबल पेपर कप जो आमतौर पर कॉफी या चाय के लिए उपयोग किए जाते हैं गर्म पेय पदार्थों में खतरनाक मात्रा में माइक्रोप्लास्टिक और हानिकारक रसायन छोड़ते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 90ष्ट (194एस्न) पर पानी से भरे जाने पर, ये कप 15 मिनट के भीतर प्रति मिलीलीटर 10-100 माइक्रोप्लास्टिक कण गर्म पेय में मिला देते हैं।पॉलीइथिलीन या पॉलीलैक्टिक एसिड की परत जो पेय पदार्थों के रिसाव को रोकने के लिए होते हैं, गर्मी के कारण टूट जाते हैं, तथा माइक्रोप्लास्टिक्स और बिस्फेनॉल ए जैसे योजक आपके पेय में पहुंच जाते हैं। जर्नल ऑफ़ हैज़र्डस मैटेरियल्स में प्रकाशित इस अध्ययन में 70 ब्रांडों का परीक्षण किया गया और पाया गया कि लंबे समय तक संपर्क में रहने या ज़्यादा गर्म तरल पदार्थों से कॉफ़ी के ज़्यादा उत्सर्जन होते हैं, जो टेकआउट कॉफ़ी के लिए आम बात है। 5 मिमी से भी छोटे ये छोटे प्लास्टिक कण सूजन से लेकर हार्मोन में गड़बड़ी तक, स्वास्थ्य के लिए संभावित ख़तरा पैदा करते हैं, हालाँकि दीर्घकालिक मानवीय प्रभाव के आँकड़े अभी भी सामने आ रहे हैं। कागज़ कपों के दोबारा इस्तेमाल से लीचिंग और भी बदतर हो गई, क्योंकि घिसने से लाइनिंग का क्षरण बढ़ गया। विशेषज्ञ सिरेमिक मग या बायोडिग्रेडेबल विकल्पों का उपयोग करने का सुझाव देते हैं, हालांकि कई कम्पोस्टेबल विकल्पों में अभी भी प्लास्टिक की परत होती है। पीने से पहले पेय पदार्थों को थोड़ा ठंडा होने देने जैसे आसान उपाय, संक्रमण को कम कर सकते हैं। यह 20 अरब डॉलर के डिस्पोजेबल कप उद्योग के लिए भी एक चेतावनी है। हो सकता है कि आपकी सुबह की चाय में प्लास्टिक का एक अवांछित अंश भी हो। इस जानकारी के बाद क्या आप कप का इस्तेमाल छोड़ देंगे?

जिला कांग्रेस अनूपपुर ने मध्यप्रदेश में मासूमों की मौत को लेकर निकाला कैंडल मार्च, दी गई श्रद्धांजलि

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय अनूपपुर मे जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्याम कुमार गुड्डू चौहान द्वारा कांग्रेस जनो के साथ छिंदवाड़ा में 22 मासूम मौतों के विरोध में कैंडल मार्च निकाला गया। जो कांग्रेस कार्यालय से प्रारम्भ होकर नगर के प्रमुख मार्ग से चलकर रेलवे स्टेशन से बस स्टैण्ड होते हुये वापस कांग्रेस कार्यालय पहुंच, 2 मिनट का मौन रखकर मासूम मृत बच्चों को श्रद्धांजलि देकर समाप्त हुआ कैंडल मार्च के दौरान कांग्रेस जनों ने हाथों में मोहन यादव शर्म करो, स्वास्थ्य मंत्री इस्तीफा दो का पोस्टर लेकर भाजपा मुर्दाबाद, नरेन्द्र मोदी मुर्दाबाद, मोहन यादव मुर्दाबाद, के नारे लगाए गए, साथ ही स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के इस्तीफे की मांग भी की गई इस मौके पर जिलाध्यक्ष श्याम कुमार

गुड्डू चौहान के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेतागण, महिला कांग्रेस, सेवादल, युवा कांग्रेस, हस्तू, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस, आदिवासी कांग्रेस, अनुसूचित जाति कांग्रेस, अल्पसंख्यक कांग्रेस, के जिलाध्यक्ष व पदाधिकारी एवं पूर्व नपा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदगण, जनपद अध्यक्ष, सदस्य, सहित कई अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

तेरे होने के निशान हैं मेरे इस जहान में
हर दम तेरे वजूद ने चलना सिखाया हैं
गुलामी की कीचड़ से निकालकर।
हुकूमत की कुर्सी तक ले जाने वाले।

महान समाज सुधारक और भारतीय राजनीतिक क्रांति के अग्रदूत व दलित , वंचित , शोषितो के मसीहा , बाबा साहेब अम्बेडकर जी की विचारधारा को जिंदा करने वाले मान्यवर कांशीराम साहब जी की पुण्य तिथि पर सादर नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि

चौधरी सूरत सिंह नरवरिया जी की पुण्यतिथि 42 वीं नवीन छावनी पठार में मनाईं गई

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। अहिरवार समाज संघ म प्र के संस्थापक चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी के पिता श्री चौधरी सूरत सिंह नरवरिया जी का 42 वां निर्वाण दिवस नवीन छावनी पठार रायसेन रोड भोपाल स्थित निज निवास पर 3/10/2025 की रात्रि 8ः00 बजे बाद मनाया गया। चौधरी सूरत सिंह नरवरिया उदयपुरा जिला रायसेन अहिरवार समाज के ऐसे महान व्यक्ति थे। समाज को जगाने एवं सामाजिक सुधार के अनेक काम किये। तथा उन्होंने शिक्षा का अभियान सन 1953 में चलाया, जिससे अहिरवार समाज के युवा पीढ़ी पढ़ने लिखने अग्रसर रहें। उनके सामाजिक परिवर्तन के कामों के आधार पर जिला के लोग इंजीनियर, डां. वकील और शिक्षक बनें। उदयपुरा के निवासियों व सामाजिक उत्थान के उनके काम सदैव समाज के लिए प्ररेणा जनक रहेगें। अहिरवार समाज के महान क्रांतिकारी वीर शहीद मनीराम अहिरवार जी के परिवार के द्वारा उनके 42 वीं पुण्यतिथि पर उनके चरणों में कोटि कोटि नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते है। इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार अहिरवार, अहिरवार समाज संघ म प्र,अतर सिंह भारती रविदासिया पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष रविदासिया धर्म संगठन भारत म प्र, अहिरवार समाज संघ भोपाल जिले के जिला उपाध्यक्ष श्री बालकिशन अहिरवार विशेष रूप से उपस्थित रहे। पत्नी कलादेवी नरवरिया तय तरह हर्ष उल्लास से श्रृद्धांजलि अर्पित कर समापन किया गया।

मान्यवर कांशीराम : विचारों का वह दीपक जो आज भी राह दिखाता है

लेखिका- कु.प्रियंका जाटव
(सामाजिक कार्यकर्ता
विचारक व चिंतक)

पंजाब के रूपनगर ज़िले के एक छोटे से गाँव खवसपुर में 15 मार्च 1934 को जन्मे उस बालक को कौन जानता था कि वह आगे चलकर भारतीय समाज की सोच और संरचना दोनों को बदल देगा और समाज में एक नवीन चेतना जगा देगा। मान्यवर कांशीराम—एक ऐसा नाम जिसने समाज में सोई चेतना को जगाया, स्वाभिमान को पुनर्जीवित किया और यह विश्वास जगाया कि परिवर्तन केवल विचारों से नहीं, कर्म से होता है। वे स्वयं को सदा सामाजिक कार्यकर्ता मानते रहे। वे उस परंपरा के व्यक्ति थे जो समानता को केवल नारे के रूप में नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य मानते थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के सबसे वंचित, उपेक्षित और मौन वर्ग को स्वर देने में समर्पित किया। उनका जीवन ही संदेश था। उन्होंने कहा था—मैं न विवाह करूँगा, न संपत्ति बनाऊँगा, न अपने घर लौटूँगा, अपना पूरा जीवन समाज-जागरण के लिए समर्पित कर दूँगा। कांशीराम साहब ने सादगी, संघर्ष और समर्पण के साथ समाज-सुधार का ऐसा अभियान शुरू किया जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर किया कि क्या हम केवल अपने छोटे दायरे तक सीमित रहेंगे या समाज के घावों पर मरहम लगाएंगे? उन्होंने बार-बार कहा कि हमारे महापुरुष अब वापस नहीं आएंगे—अब यह कार्य हमें ही करना होगा। यह कथन आज भी हर युग में उतना ही सत्य प्रतीत होता है जितना तब था, क्योंकि आज भी समाज के भीतर असमानता, भेदभाव, अहंकार और विभाजन की गहरी रेखाएँ मौजूद हैं। वर्तमान समय में देश में दलितों और आदिवासियों के साथ जिस तरह का व्यवहार हो रहा है, वह अत्यंत दुखद और चिंतनीय है। ऐसी परिस्थितियों में मान्यवर कांशीराम जी के विचारों से आज प्रेरणा लेने की पहले से अधिक आवश्यकता है। उन्होंने सिखाया था कि सामाजिक परिवर्तन केवल कानून से नहीं, बल्कि चेतना से आता है। उन्होंने शिक्षा, संगठन और आत्मसम्मान को परिवर्तन की तीन आधारशिलाएँ बताया। उनका कहना था कि जब तक समाज स्वयं अपनी पीड़ा को नहीं समझेगा, तब तक कोई भी उसे मुक्त नहीं कर सकता। समाज की पीड़ा को हरने कोई अवतार नहीं आएगा—जागरूक बनना होगा, उठ खड़ा होना होगा और अपनी आवाज़ को बुलंद करना होगा। आज जब हम देखते हैं कि समाज फिर से संकीर्णता और स्वार्थ की राजनीति में उलझता जा रहा है, तो लगता है जैसे मान्यवर साहब के विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। आज भी वही प्रश्न हमारे सामने हैं—क्या हम अपने समाज के घावों को देख पा रहे हैं? क्या हम उस चेतना को पुनः जगा पा रहे हैं जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया? क्या हम व्यक्तिगत स्वार्थों के इतर समाजहित में ईमानदारी से कार्य कर पा रहे हैं अथवा नहीं? क्या वर्ग के अंदर वर्गों में बंटकर टूटते जा रहे हैं? समाज किस ओर है—बिखराव को कौन समेटेगा? क्या मान्यवर कांशीराम साहब की तरह समाज में फिर कोई अविवाहित, ईमानदार, त्यागी और निस्वार्थ सामाजिक कार्यकर्ता पैदा हो पायेंगे? वर्षों से शोषित, पीड़ित और वंचित समाज को ऐसे ही प्रतिपल अपमानों का सामना कब तक करना पड़ेगा? आज आवश्यकता है कि हम सब पुनः महापुरुषों के विचारों से प्रेरणा लें। कांशीराम जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि समाज-सुधार केवल लंबे भाषणों से नहीं, बल्कि त्याग, समर्पण, दृढ़ता और अनुशासन से होता है। वे किसी एक वर्ग या समुदाय के नहीं, बल्कि पूरे समाज के विचारक थे-एक ऐसे समाज के जो समानता, सम्मान और न्याय की चाह रखता है। आज वक्त की मांग है कि हम मान्यवर साहब के जीवन से प्रेरणा लें, अपने भीतर आत्मावलोकन करें और उस दिशा में चलें जहाँ व्यक्ति नहीं, विचार सर्वोपरि हों, जहाँ समाज का हर व्यक्ति स्वयं को जागृत, सम्मानित और संगठित महसूस करे। मान्यवर कांशीराम का जीवन इस युग को यह सन्देश देता है—परिवर्तन दूसरों के आने से नहीं, अपने भीतर प्रकाश जलाने से आता है। ऐसे महान समाज-सुधारक, चिंतक और युगप्रेरक व्यक्तित्व को उनके परिनिर्वाण दिवस पर शत्-शत् नमन-जिनके विचार आज भी उतने ही जीवंत हैं, जितने उनके जीवनकाल में थे।

चोरी के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, टीवी व मोटरसाइकिल जप्त

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर/ रामनगर। जिले के थाना रामनगर पुलिस को चोरी के मामले में मिली सफलता, एक आरोपी गिरफ्तार, 02 नग स्श्वष्ठ टी.वी. एवं चोरी में प्रयुक्त बाइक (50 हज़ार का मशरूका) बरामद की है जिले के थाना रामनगर पुलिस को चोरी के मामले में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। अजय जायसवाल पिता मिठाई लाल जायसवाल उम्र 38 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 06, गोपाल पण्डाल भगत चौक, रामनगर ने थाना रामनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, कि 17 अगस्त 2025 को रात्रि लगभग 10ः30 बजे वह अपनी इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान का सटर बंद कर घर चला गया था। अगले दिन 18 अगस्त 2025 को जब उसने दुकान खोली तो पाया कि दुकान की सीट तोड़कर अंदर रखा सामान 03 नग 42 इंच मोंटेक्स कम्पनी टी.वी. एवं 02 नग 24 इंच कोनिक कम्पनी टी.वी. अज्ञात चोर चोरी कर ले गए हैं। रिपोर्ट

पर थाना रामनगर में अपराध क्रमांक 224/25 धारा 331(4), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान प्राप्त मुखबिर सूचना पर पुलिस ने आरोपी रघुवीर साहू उर्फ लाला पिता होरीलाल उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम गढ़ी थाना कोतमा को गिरफ्तार किया।

महर्षि बाल्मीकि जयंती पर अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार के सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया ने जाकर नमन किया

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। आदि कवि महर्षि बाल्मीकि जी महाराज जी की जयंती शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर पर मनाई जाती है। जो कि बाल्मीकि समाज के आराध्य देव थे, जिन्होंने संस्कृत में अपनी रचना लिख कर महान हुए है। जिन्हें लोगों ने बुरा बताने, उन पर कीचड़ लगाने का बहुत प्रयास किया किसी ने उन्हें बृहमण बताया तो किसी ने उन्हें नीच कुल में जन्म लेने का बताया कि वह अमुक बिरादरी में पैदा हुए है। लेकिन बड़ा ही दुर्भाग्य है कि जो भी महापुरुषों का अवतरण हुआ उन्होंने समाज कल्याण के लिए कुछ न कुछ अच्छा प्रयास कर जगत में अपना नाम रोशन कर अमर हुए है। जैसे कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज, सतगुरु कबीर साहेब जी, नानकदेव जी, पल्टू जी, पीपा जी, सुन्दरदास जी, बाबा घासीराम जी, मीराबाई जी जैसे अनेकों संत महाराजों का अवतरण समाज को जगाने एवं लोक कल्याण के लिए ही हुआ था। जिंन्हें आज भी लोग श्रद्धा पूर्वक याद कर नमन करते है। यह बात सही है कि जिन भी महापुरुषों ने नेकी के काम किये है। उन्हें बदनाम करने की हमेशा कोशिश होती रही है, और वह इसलिए कि उन्होंने सदियों से वंचित समाज को जगाने का काम किया है। वश यही कारण है कि जो वंचितों की जो बात करते आयें है उनके इतिहास को सदैव दबाने की हमेशा कोशिश होती रही है। चाहे वह महर्षि सुदर्शन महाराज जी हो, नामदेव जी, या चाहे सेन महाराज जी हो ये सभी संत तथाकथित लोगों द्वारा नीची बिरादरी के मानने के कारण अथवा उनके द्वारा देश के मूल निवासी समाज में काम किया है इस कारण उनको छुपाने का भरपूर प्रयास किया गया है। महर्षि बाल्मीकि महाराज जी एक ऐसे महान संत थे, जो कि आदि कवि के नाम से जाने जाते है। जिन्हें कहा

आदि कवि महर्षि बाल्मीकि जी की जयंती में सम्मिलित होकर नमन किया

जाता है कि उनके द्वारा संस्कृत में रामायण की रचना की है। लेकिन बड़े ही दुख की बात है कि जिस रामायण का देश के लोग दिन रात जाप करते है, आस्था और विश्वास करते है। जिसके रचियता को लोग जयंती तक नहीं मनाते, और बताया दिया कि वह तो बाल्मीकि समाज के थे। जो कि बाल्मीकि समाज ही उन्हें अपना आराध्य मानकर बड़े उत्साह से श्रद्धाभाव से जयंती मनाती है, लेकिन जो अपने महापुरुषों का इतिहास बाल्मीकि रामायण से खोज कर सीना चौड़ा कर अपना इतिहास उकेरते है। ऐसे लोगों का भी दायित्व होना चाहिए कि वह महर्षि बाल्मीकि महाराज जी की जयंती बड़ी धूमधाम से मना कर अपने देश के महान महापुरुषों को वंदन एवं नमन करें। उक्त उद्गार वरिष्ठ पत्रकार मूलचन्द मेधोनिया जो कि अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के सुपौत्र है उनके द्वारा महर्षि बाल्मीकि जी की जयंती के अवसर पर भोपाल के विभिन्न जगहों पर आयोजित कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पहुँच कर समाज को संदेश दिया। भोपाल के राहुल नगर बाल्मीकि मंदिर में जयंती कार्यक्रम में जाकर गुरु देव जी के चरणों में नमन किया। तथा पंचशील नगर, बलवीर नगर की बस्ती में जाकर महर्षि बाल्मीकि जी के चरणों में पुष्प अर्पित कर वंदन किया। अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के पौते मूलचन्द मेधोनिया का आयोजकों द्वारा तिलक लगाकर स्वागत सत्कार किया। तथा बाल्मीकि समाज के सभी नागरिकों ने कहा कि हमारी कौम में बड़े बड़े संत महात्मा साधु और गुरुओं का जन्म हुआ है। साथ ही देश की मातृभूमि पर न्यौछावर होने वाले शूरवीर मनीराम अहिरवार जी जैसे महान क्रांतिकारी ने जन्म लेकर हमें आजादी दिलाई है। जिन्हें आज तक सम्मान नही देकर हमारी बिरादरी का अपमान किया गया है। बाल्मीकि समाज ने सरकार से मांग की है कि अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा प्रदान करते हुए उनकी जन्म भूमि पर समाज हितों के लिए विशाल स्मारक, मूर्ति, सामाजिक प्रेरणा केन्द्र बनाया जाये। तथा शहीद परिवार के उत्तराधिकारी मूलचन्द मेधोनिया के परिवार को जो शहीद परिवार को दी जाने वाली सुविधा है उन सभी को देकर सम्मानित जाये। बाल्मीकि समाज के बलवीर सिंह, पवन सिंह, राधे लाल, प्रमोद कुमार, रविकांत, भूरा नहारिया, गोलू लोट, नरेन्द्र बाल्मीकि, अवध घावरी भूपेंद्र करोसिया इत्यादि बाल्मीकि समाज के प्रमुख नागरिकों ने सामाजिक तौर पर सरकार से मांग कर अपेक्षा की है कि सरकार हमारे देश के महान क्रांतिकारी वीर मनीराम जी का सम्मान देकर बिरादरी को गौरवान्वित किया जाये।

ग्राम रैदासपुरा के पार्क में सुविधाओं की कमी , इंजी. राहुल अहिरवार ने मुख्यमंत्री से की मांग

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद,नई-दिल्ली
Related to govt Commission Govt of India
Correspondence Add:-Raidaspura post bijawar distt chhatarpur MP 471405
E- mail id:- ra836135@gmail.com Website:- www.Rashtriyaparisadindia.com

पत्र क्र.-Q-1 दिनाँक:- 09/10/2025

प्रति,
श्रीमान डॉ. मोहन यादव जी
माननीय मुख्यमंत्री म.प्र शासन भोपाल
(2) श्रीमान आयुक्त महोदय
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल
(3) श्रीमान कलेक्टर महोदय
जिला छतरपुर मध्य प्रदेश शासन
(4) श्रीमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
जिला छतरपुर मध्य प्रदेश शासन,

विषयः- ग्राम रैदासपुरा के पार्क मे लाईट, व्यायाम शाला एवं झूलों की सुविधा करने के संबंध में मांग पत्र,
महोदय,
उपरोक्त विषय में संगठन श्रीमान जी को अवगत कराना चाह रहा है,कि ग्राम बसरोही (रैदासपुरा) ग्राम पंचायत एरोरा तहसील बिजावर जिला छतरपुर एक पूर्ण रूप से अनुसूचित जाति बहुल्य ग्राम है, उपरोक्त ग्राम में पार्क स्थित है,लेकिन पार्क में लाइट एवं झूले,एवं व्यायाम शाला की सुविधा नही है, जिससे पार्क केवल नाम मात्र का पार्क है,
अतः श्रीमान जी से अनुरोध है,कि ग्राम के पार्क में जल्द से जल्द उपरोक्त सुविधा प्रदान करने का कष्ट करें एवं कृपा कार्यवाही से संगठन की मेरी ईमेल आईडी ra836135@gmail.com पर अवगत कराने का कष्ट करें,

भवदीय
इंजी.राहुल अहिरवार
प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी म.प्र.
मो:-7697959515

छतरपुर। प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी इंजी. राहुल अहिरवार राष्ट्रीय अनु.जाति जनजाति विकास परिषद ने माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, आयुक्त पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कलेक्टर छतरपुर एवं जिला पंचायत सीईओ को पत्र प्रेषित कर ग्राम बसरोही (रैदासपुरा), ग्राम पंचायत एरोरा, तहसील बिजावर, जिला छतरपुर के पार्क में बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराने की मांग की है। मांग पत्र में उल्लेख किया गया है कि ग्राम रैदासपुरा एक अनुसूचित जाति बहुल्य ग्राम है। यहाँ पार्क तो निर्मित है, परंतु उसमें लाईट, झूले एवं व्यायामशाला की सुविधा नहीं है, जिससे वह केवल नाम मात्र का पार्क बनकर रह गया है। इंजी. राहुल अहिरवार ने शासन से अनुरोध किया है कि ग्राम के पार्क में जल्द से जल्द इन सुविधाओं की स्थापना की जाए, ताकि ग्रामीणों, विशेष रूप से युवाओं और बच्चों को मनोरंजन, स्वास्थ्य एवं सामाजिक विकास का लाभ मिल सके।

40 परसेंट दिव्यांग न होते हुए भी 40 परसेंट का दिव्यांग प्रमाण पत्र की जांच करने आयुक्त लोक शिक्षण संचनालय मध्य प्रदेश भोपाल को आयुक्त ने प्रतिवेदन भेजा - महाराज सिंह राजोरिया

5 अक्टूबर 2025 मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश सहसंयोजक नगर पालिका परिषद डबरा के पूर्व चेयरमेन दलित आदिवासी महापंचायत के प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सिंह राजोरिया ने आज प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया की जितेंद्र कुमार बमन्या निवासी गोविंद मोहल्ला पीर बाबा के पास वार्ड क्रमांक 2 खनियाधाना जिला शिवपुरी 40 परसेंट दिव्यांग नहीं है फिर भी डॉक्टर से साठगांट करके 40त्न परसेंट दिव्यंका प्रमाण पत्र बनवा लिया और मध्य प्रदेश के जिला सिंगरौली मैं प्राथमिक शिक्षक जिसकी यूनिट कोड नंबर ष्ट्ट8455 है प्राथमिक शिक्षक के पद पर शासकीय प्राथमिक विद्यालय महुआहवा टोला संकुल बासोडा विकासखंड खुटार में विकलांग कोटे के अंतर्गत नियुक्ति प्राप्त कर ली है जिसकी शिकायत तमाम सामाजिक संगठनों द्वारा आयुक्त लोक शिक्षण संचनालय मध्य प्रदेश भोपाल कमिश्नर ग्वालियर संभाग कलेक्टर जिला शिवपुरी जिला पंचायत शिवपुरी तथा मुख्य शिक्षा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला शिवपुरी को की गई थी लेकिन जिला शिवपुरी के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी संजय रिषेश्वर भ्रष्टाचार के माध्यम से उसे बचा रहे हैं कोई जांच नहीं कर रहे हैं तब आयुक्त ने लोक शिक्षण संचनालय मध्य प्रदेश भोपाल को जांच के लिए पत्र लिखा है शिकायतों में उल्लेख किया गया है की भौतिक सत्यापन के आधार पर दिव्यांग की एक प्रदेश स्तर की कमेटी के माध्यम से जांच की जाए की कितना प्रतिशत दिव्यांग है उसके बाद प्रमाण पत्र बनाया जाए और पूर्व में जिन डॉक्टरों ने प्रमाण पत्र दिया है उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए महाराज सिंह राजोरिया ने तीव्र रोज व्यक्त करते हुए कहा है की जितेंद्र कुमार बमन्या एवं इसके भाई सत्येंद्र एवं पुष्पेंद्र बहन किरण मां फूलवती पिता लखनलाल बमन्या निवासी गोविंद मोहल्ला पीर बाबा के पास वार्ड क्रमांक 2 खनियाधाना जिला शिवपुरी के खिलाफ अधोपतन की धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध है न्यायालय में चालान पेश हो चुका है लेकिन आज दिनांक तक विभागीय कार्रवाई नहीं की गई है जिला शिक्षा अधिकारी जिला सिंगरौली कलेक्टर जिला सिंगरौली को भी शिकायत की गई लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है शिकायतों में स्पष्ट रूप से मांग की गई है की उनकी सेवा समाप्त की जाए लेकिन अधिकारी गण भी भ्रष्टाचार में लिप्त है इसलिए आज तक कोई कार्रवाई नहीं की जा रही शीघ्र ही मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तथा मध्य प्रदेश शासन के मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को भी विभागीय कार्यवाही करते हुए प्राथमिक शिक्षक जितेंद्र कुमार बमन्या की सेवा समाप्त करने की मांग की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)